

# आर. आर. इस्पात

## कार्यकारी सारांश

### 1.0 प्रस्तावना :-

मेसर्स आर. आर. इस्पात एक पंजीकृत कम्पनी है जो म.प्र. तथा छ.ग. के कम्पनी रजिस्ट्रार कार्यालय ग्वालियर द्वारा मई 1999 में पंजीकृत की गई थी। आर. आर. इस्पात लिमिटेड कम्पनी का विलय मेसर्स गोदावरी पॉवर एण्ड इस्पात लिमिटेड जो हीरा ग्रुप की एकीकृत इस्पात संयंत्र है, में दिनांक 30.03.2011 को किया गया। अब इस कम्पनी का नाम आर. आर. इस्पात (ए यूनिट ऑफ गोदावरी पॉवर एण्ड इस्पात लिमिटेड) है। गोदावरी पॉवर एण्ड इस्पात लिमिटेड के एक इकाई के रूप में आर. आर. इस्पात कार्यशील है।

मेसर्स गोदावरी पॉवर एण्ड इस्पात लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व मेसर्स आर. आर. इस्पात उत्पादन कार्यों में कार्यशील है। एकीकृत इस्पात संयंत्र है। मेसर्स आर. आर. इस्पात उरला औद्योगिक क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम- अछोली, तहसील व जिला- रायपुर में अवस्थित है। उरला औद्योगिक क्षेत्र छ.ग. राज्य के रायपुर से 8 कि.मी. की दूरी पर अवस्थित है। यह क्षेत्र खनिज आधारित उद्योग के रूप में मध्य भारत में जाना जाता है। उरला औद्योगिक क्षेत्र के निकट आयरन कोल परिवहन हेतु रेल्वे साइडिंग है। मेसर्स आर. आर. इस्पात इकाई में आयरन ब्लाक मिल रीहिटिंग फर्नेस की उन्नत प्रौद्योगिकी निष्पादन एवं विस्तार के साथ आधुनिकीकरण करना है। आर. आर. इस्पात में State of Art ब्लाक मिल है।

वर्तमान में आर. आर. इस्पात की वायर रॉड मिल के साथ वायर ड्राइंग की सुविधा है। कम्पनी का रजिस्टर्ड कार्यालय- प्लॉट नं 428/2, फेस-1, औद्योगिक क्षेत्र सिलतरा, रायपुर (छ.ग.) है।

### 2.0 परियोजना का विवरण

आर. आर. इस्पात (ए यूनिट ऑफ गोदावरी पॉवर एण्ड इस्पात लिमिटेड) रोलिंग मिल संयंत्र के विस्तार में प्रक्रियाधीन है। आर. आर. इस्पात उत्पाद का नाम तथा क्षमता के साथ विस्तारित परियोजना के अन्तर्गत प्रस्तावित परियोजना की तालिका निम्नलिखित है।

#### विद्यमान संयंत्र की प्रमुख सुविधाएँ

अनु क्र.	संयंत्र विवरण	युनिट	विद्यमान युनिट क्षमता
1	रोलिंग मिल	TPA	1,00,000

## प्रस्थापित विस्तारित संयंत्र सुविधा

अनु क्र.	संयंत्र विवरण	युनिट	विद्यमान युनिट क्षमता
1	रोलिंग मिल	TPA	2,14,,000

### प्रक्रिया वर्णन

#### रोलिंग मिल:

गुणवत्तापूर्ण एम.एस. बिलेट कच्ची सामग्री का परिक्षण किया जाता है एवं उसके बाद रोलिंग हेतु उपयुक्त में Reheating Furnace में डाला जाता है।

#### ➤ TMT बार:

रोलिंग एवं पुनः रोलिंग प्रक्रिया काफी पुरानी है जो लगभग सभी द्वारा अपनायी गयी है। TMT रोड पहले से ही व्यापार में है एवं जिसका व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। अन्य सभी उत्पादों को तैयार करने वाला उत्पाद मिश्रण पारंपरिक रोल्ल्ड उत्पादों में से एक है। बाध्य वायर तैयार करना, शाब्दिक संदर्भ में एक अंतिम उत्पाद है, जो वायर आरेख की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

#### ➤ ब्लॉक मिल :

“हीरा ग्रुप” द्वारा नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने की परंपरा आर. आर. इस्पात में भी जारी है। आधुनिक (State of Art) ब्लॉक मिल आर. आर. इस्पात परियोजना में है। ब्लॉक मिल में भी रोल्स की समान संख्या के साथ कई स्टैंड के समूह होते हैं। ब्लॉक व्यवस्था के कारण स्पष्ट रूप से मिल की गति हद तक बढ़ जाती है 60–75 m/Sec तक हो जाती है।

#### ➤ Reheating Furnace :

कच्ची सामग्री बिलेट पुनःतापन भट्ठी में रोलिंग पूर्व पुनः गरम की जाती है। उष्मा क्षति कम करने एवं ईंधन की खपत अनुकूल रखने हेतु के लिए नवीनतम फर्नेस प्रौद्योगिकी के अनुसार गैसीफायर पुशर प्रकार की पुनःतापन भट्ठी की प्रतिस्थापना की गई है, जिसका आंतरिक विस्तार 5 मीटर चौड़ाई x 26 मीटर लंबाई से 6.5 मीटर चौड़ाई x 26 मीटर लंबाई का बनाया जाएगा। अतिरिक्त के रूप में फायर – कुल ब्लॉकेट का प्रयोग किया जाएगा।

भट्टी की तापन गति 18 TPH है। उच्चतम क्षमता के उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अब तापन गति 30 TPH तक बढ़ जाएगी।

➤ **Roughing Mill :**

बाजार की उपलब्धता के अनुसार 130 x 130 से 100 x 100 mm की कच्ची सामग्री अपरिष्कृत मिल में डाली जाती है। इसमें 510 मी.मी. केंद्र अंतर के 3 स्टैंड होते हैं, जो 1500 HP के 8 पोल मशीन द्वारा चलाए जाते हैं। बार-बार मशीन में डालकर, सामग्री लगभग 65 x 65 mm / 45 x 45 mm तक कम की जाती है।

➤ **Intermediate Mill :**

अपरिष्कृत मिल से अखंडित होती है। अपरिष्कृत मिल सामग्री 2-4 stand विभाग होनेवाली अखंडित मिल में जाती है। जहाँ सामग्री का आकार फिर से लगभग 28 से 30 square 28 x 28/30 x 30 मी.मी. वर्ग/गोल के आकार में कम होता है। सभी स्टैंड स्वतंत्र होते हैं एवं 300 से 400 KW तक की श्रेणी के विभिन्न स्टैंड में मोटर लोड के साथ 440 से 420 मी.मी. छोटे पहियों के साथ चालाए जाते हैं।

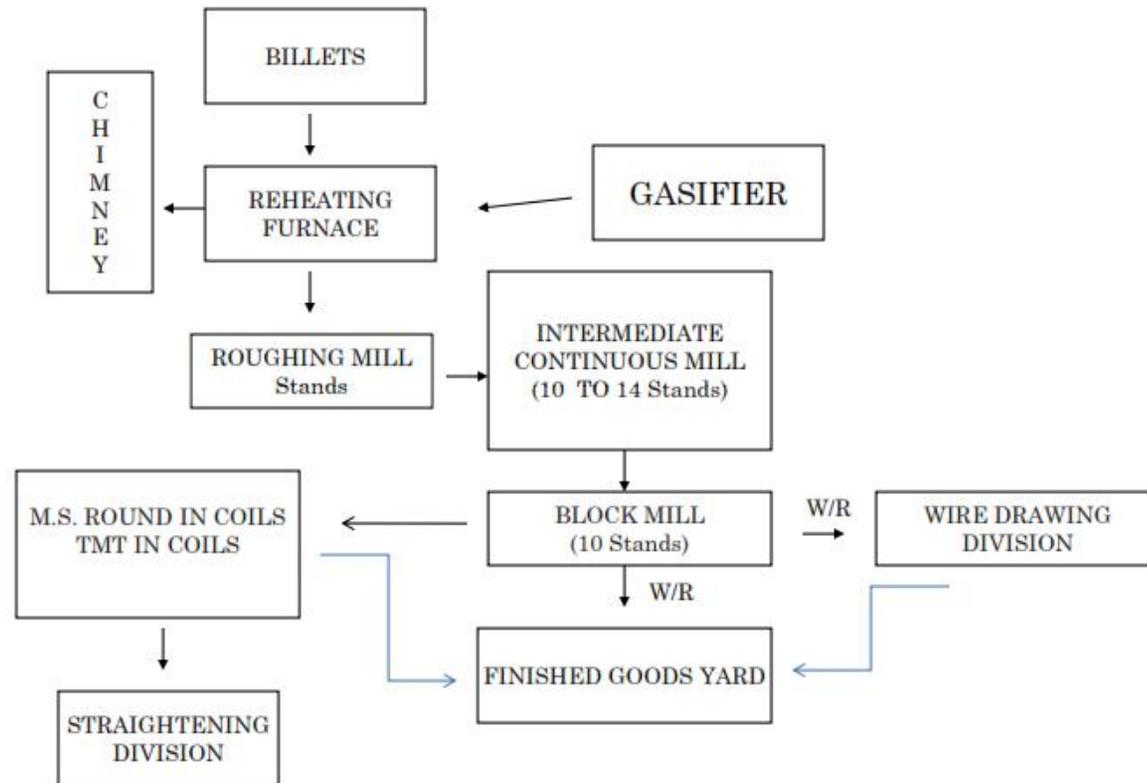
➤ **Continuous Block Mill :**

अखंडित मिल में 8 से 10 समस्तरीय स्टैंड होते हैं। अखंडित मिल से लगभग 13 मी.मी. वर्ग/गोल का उत्पादन बाहर आता है। यहाँ से वह 60-75 मी/सेकंड परिवर्तनशील गति के साथ ब्लॉक मिल से गुजरता है। यह दो 800 KW DC मोटर द्वारा चलाई जाती है। उत्पाद की आवश्यकता के अनुसार मोटर की गति में परिवर्तन किया जाता है। परिष्कृत मिल के लिए प्राप्त उत्पाद, 5 मी.मी. से 12 मी.मी. व्यास के वायर रोड्स, कॉईल्स में गोलाई, CTDबार/कॉईल्स, TMT बार्स/कॉईल्स है।

➤ **Finishing Section (अन्तिम उत्पाद शाखा):**

परिष्कृत विभाग में वायर रोड्स, कॉईल्स में गोलाई CTDबार/कॉईल्स, TMT बार्स/कॉईल्स तैयार करने हेतु कॉईल्स, कॉईल पुशर, कुलिंग कन्वेयर्स, कुलिंग ब्लॉवर कटे हुए गोल उत्पाद के आकार, विस्तृति, मुड़ाव एवं पुनः मोड़ और वजन प्रति मीटर का परीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के बाद बार्स के बंडल तैयार किए जाते हैं। और प्रेषण हेतु स्लॉट में रखे जाते हैं।

रोलिंग मिल की प्रक्रिया प्रवाह आरेख निम्न आकृति में दिया गया है।



### 3.0 वायु पर्यावरण :

प्रभावी वायु की दिशा पश्चिम (16%) से, अत्तर पश्चिम (12%) से थी। परीक्षण अवधि के दौरान औसत वायु की गति 2.95m/sec थी।

परिवेशी वायु गुणवत्ता का परीक्षण आठ स्थलों का चयन प्रभावी वायु की दिशा के आधार पर किया गया, जो निम्न श्रेणी दर्शाता है।

PM<sub>10</sub>: 23.4 to 78.4µg/m<sup>3</sup>.

PM<sub>2.5</sub> : 17.8 to 51.2µg/m<sup>3</sup>

SO<sub>2</sub> : 10.1 to 25.2µg/m<sup>3</sup>

NO<sub>x</sub> : 10.4 to 33.0µg/m<sup>3</sup>

औद्योगिक क्षेत्र आवासीय, ग्रामीण क्षेत्र (CPCB मानक)	PM <sub>10</sub>	PM <sub>2.5</sub>	SO <sub>2</sub>	NO <sub>x</sub>
	100 µg/m <sup>3</sup>	60 µg/m <sup>3</sup>	80 µg/m <sup>3</sup>	80 µg/m <sup>3</sup>

PM<sub>10</sub>, PM<sub>2.5</sub>, SO<sub>2</sub> एवं NO<sub>x</sub> की तीव्रता राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता प्रमाणक (NAAQ) द्वारा निर्धारित मर्यादा में सीमित पाई गई।

### जल पर्यावरण :

भु-पृष्ठ जल के तिन एवं भूजल के आठ कुल 11 जल नमूने संकलित एवं विश्लेषित किये गए। जल नमूनों का विश्लेषण जल नमूनों का परिक्षण, अमेरिकन पब्लिक हेल्थ असोसिएशन (APHA) के अनुसार किया गया है।

गुणवत्ता पेयजल (BIS 10500 – 2012) के लिए अनुबद्ध मानक के भीतर है। कहीं भुपृष्ठ जल में कोलाय कि तीव्रता अधिक है, जो मानवी उपयोग के कारण हो सकती है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भुजल के साथ ही सतह जल गुणवत्ता कूल कोलाय की तीव्रता के अतिरिक्त जो मानवी उपयोग से है, पेयजल हेतु निर्धारित (IS 10500 – 2012) मानकों से कम है।

## ध्वनि पर्यावरण

मापी गई आठ स्थलो पर ध्वनी स्तर राष्ट्रीय परिवेशी ध्वनी मानक स्तर के लिए MoEF&CC राजपत्र अधिसूचना में दिए गए रहवासी क्षेत्र के लिए 55.0 dB (A)या औद्योगिक क्षेत्र के लिए 75.0 dB (A) में सीमित है।

क्षेत्र संकेत	क्षेत्र मर्यादा	मर्यादा dB(A) Leq में	
		दिन	रात
A	औद्योगिक जोन	75	70
B	व्यवसायिक जोन	65	55
C	रहवासी जोन	55	45
D	शांत जोन **	50	40

\*\* शांत जोन इस प्रकार परिभाषित किया जाता है, अस्पताल, शैक्षणिक संस्था एवं न्यायालय के आसपास का 100 मीटर तक क्षेत्र वाहनो का प्रयोग, लाउड स्पिकर एवं फटाका पर इन क्षेत्रो में प्रतिबंध होता है।

## भूमि पर्यावरण

प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र के आसपास की वर्तमान मृदा अवस्था का मुल्यांकन करने हेतु अध्ययन क्षेत्र में चुने गए स्थलो पर भौतिक-रासायनिक गुणधर्मो के लिए चार मृदा नमूने इकट्ठा किए गए एवं उनका विश्लेषण किया गया। संबंधित **मापदंड** निम्नलिखित गुणधर्म दर्शाते है।

संबंधित **मापदंड** के लिए विभिन्न गहराई के साथ मृदा नमूनों के लक्षणो की तुलना की गई।

मृदा लक्षणो के अवलोकन पर **मापदंड** अनुसार कि गई चर्चा निम्न है।

- कृषि भूमि से लिए गए नमूनों की संरचना सिल्टी-क्ले-लोम एवं बंजर भूमि से लिए गए नमूनों की संरचना सैंन्डी -लोम में वर्गिकृत की गई।
- कृषि भूमि, से एवं बंजर भूमि से लिए गए नमूनों का रंग भूरा तथा पीला पाया गया । और वन भूमि के नमूनों का रंग लाल है।
- कृषि भूमि से लिए गए नमूनों का स्थूल घनत्व 1.31 से 1.66g/cc की श्रेणी मे है। एवं बंजर भूमि के नमूनों में 1.52 से 1.57g/cc स्थूल घनत्व की श्रेणी है।

- D. कृषि भूमि से लिए गए नमूनों में pH की मात्रा 6.5 से 7.53 है, एवं बंजर भूमि से प्राप्त नमूनों में 7.0 से 8.5 श्रेणी में है। pH की मात्रा दर्शाती है कि मुदा नमूनों की प्रकृति उदासिन से अल्कधर्मी है।
- E. कृषि भूमि से लिए गए मृदा नमूनों में चालकता 0.052 से 0.405mmhos/cm की श्रेणी एवं बंजर भूमि से लिए गए मृदा नमूनों में चालकता 0.288 से 0.436mmhos/cm की श्रेणी में है।
- F. कृषि भूमि के मृदा नमूनों में जैविक घटक 0.05 से 0.93 प्रतिशत, एवं बंजर भूमि के मृदा नमूनों में जैविक घटक 1.22 से 1.66 प्रतिशत है। ये मात्राएँ मृदा की अच्छी उर्वरता दर्शाती हैं।

#### 4.0 पुर्वानुमानित पर्यावरण प्रभाव एवं शमन उपाय योजना

##### वायु गुणवत्ता पर प्रभाव

प्रस्थापित विस्तारिकरण सुविधाओं में वायु प्रदूषण स्रोतों से होने वाले वायु गुणवत्ता पर प्रभाव निम्नलिखित हैं।

##### स्रोतों से होने वाला उत्सर्जन

प्रक्रिया के दौरान चिमनी से निकलने वाला उत्सर्जन वातावरण में फैलेगा एवं अंततः स्रोतों से निर्दिष्ट अंतर पर भूमि पर स्थिर होगा। प्रस्तावित विस्तारित उपक्रम से वायु गुणवत्ता पर होनेवाले संभावित पर्यावरणीय प्रभावों की निचे दिए गए स्रोतों से परिकल्पना की जा सकती है।

##### कच्ची सामग्री प्रहस्तन/वहन प्रणाली

कच्ची सामग्री प्रहस्तन क्षेत्र जैसे सामग्री भरना/खाली करना इत्यादि से उड़नेवाली धूल का उत्सर्जन संभावित प्रदूषण है। कच्ची सामग्री पे लोडर/टिपर की सहायता से हॉपर में भरी जाएगी।

##### Mitigation Measures (शमन उपाय योजना)

- मिटिगेशन सिस्टम के द्वारा कंपन से मुक्त बनाए जाएँगे।
- हिट रिक्यूपीरेटर पहले से ही उपलब्ध कराए गए हैं।
- पर्याप्त धूल अवरोध प्रणाली को कम करने के लिए विभिन्न स्थानों पर जल छिडकाव की व्यवस्था की गई है।

- संयंत्र परिसर में एक अच्छी हाऊस-किपिंग क्रिया का अमल किया गया है। रास्ते स्वच्छ करने के लिए व्यापक यंत्र का प्रयोग किया जा रहा है।
- जल छिड़काव किया जा रहा है।
- उड़नेवाली धूल कम करने के लिए रास्ते एवं कार्य क्षेत्र में भी जल छिड़काव किया जा रहा है।
- वायु उत्सर्जन कम करने हेतु ट्रक एवं अन्य वाहनो की नियमित देखरेख की जा रहा है।
- सभी कर्मचारियों द्वारा श्वसन सुरक्षा उपकरणो का प्रयोग किया जा रहा है।

### ध्वनि स्तर

प्रक्रिया दौरान, ध्वनि उत्पन्न करने वाले प्रमुख स्रोत स्वयं भरन विभाग, विद्युत मोटर, इत्यादि है। ये सभी स्रोत एक दूसरे से दूरी पर स्थित होंगे। किसी भी परिस्थिती में इन स्रोतो मे से किसी भी स्रोत से होने वाली ध्वनि 85 dB(A) से अधिक नहीं होगी।

परियोजना क्षेत्र में निर्मित होने वाली ध्वनी स्तर प्रस्तावित संयंत्र तक सिमित होगा, ध्वनि स्तर का प्रभाव आसपास नगण्य होगा।

### शमन उपाय योजना

किसी भी कालावधी में ध्वनि स्तर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा निर्धारित प्रमाण से अधिक नहीं होगा।

- कंपनी द्वारा होने वाली तेज ध्वनि को टालने के लिए विविध स्थलो पर भरन उपलब्ध करके
- नियमित देखभाल के व्यतिरिक्त ध्वनि उत्पन्न युनिट के नजदिक काम करने वाले प्रत्येक मजदूरों के लिए इयर प्लग/मफ इत्यादि की व्यवस्था होगी
- सभी खुले यंत्रो को आवरणयुक्त करना, विभाजन की यथायोग्य संरचना
- इनलेट एवं ऑऊटलेट उपलब्ध किए जाएंगे जिसकी रचना एवं बनावट आसान होगी
- सभी धुमनेवाले यंत्रो को अच्छी तरह रोगन लगाये जाएँगे एवं ध्वनि प्रसारण को कम करने हेतु व्यापक रूप से आवरण उपलब्ध किये जाएँगे।
- उष्मा क्षति से सुरक्षा के लिए उष्णता रोधक उपलब्ध किये जाएँगे एवं वैयक्तिक सुरक्षासे भी ध्वनि कमी की जाएँगी।

## जल पर होनेवाले प्रभाव

प्रस्थापित विस्तारिकरण परियोजना हेतू कुल 50 m<sup>3</sup>/day. जल की आवश्यकता है। यहाँ जल गुणवत्तापर कोई प्रभाव नहीं होगा, कुलिंग एवं सक्रबिंग प्रक्रिया से निर्मित अपशिष्ट जलपर प्रक्रिया करके पुनः प्रयोग में लाया जाएगा। प्रस्थापित विस्तारिकरण सुविधा के टॉयलेट एवं बाथरूम से मैला जल निर्मित होगा जो सेप्टिक टैंक में प्रक्रियाकृत करने के बाद सोक पिट में निकाला जाएगा। जल चक्र का प्रयोग कर शीतलन की व्यवस्था की जाएगी।

## अपशिष्ट घन पदार्थ

विद्यमान एवं प्रस्तावित विस्तारिकरण उपक्रम में अपशिष्ट घन पदार्थ निचे दिये गए तक्ता में दिया गया है।

### अपशिष्ट घन पदार्थ निर्मिती एवं शमन उपाय

युनिट	मात्रा (TPA) वर्तमान	मात्रा (TPA) विस्तारित पश्चात	व्यवस्था
<b>रोलिंग मिल में अपशिष्ट घन पदार्थ</b>			
मिल स्केल	2,080	4,365	पैलेट प्लांट, स्टील SMS आदि संयंत्र में कच्ची सामग्री के रूप में प्रयोग में लाया जाएगा।
<b>गॉसिफायर से</b>			
किल्कर एवं ग्रेनुअस	3,600	6,848	ईंटे तैयार करने के संयंत्र का पलाय एश बेची जाएगी।

## कोल टार निर्मिती विवरण

<i>आर.आर. इस्पात(गोदावरी पॉवर एण्ड इस्पात लि. कि एक युनिट )</i>		
मसिक कोल टार निर्मिती का विवरण(FY 2016-17)		
महिना	पिढी(KG)	इसका उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है। इसे अधिकृत विक्रेता द्वारा बिक्री की जावेगी।
अप्रैल	365	
मई	220	
जून	324	
जुलाई	352	

आगस्त	329
सितम्बर	368
अक्टूबर	-
नवम्बर	12
दिसम्बर	234

### सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण पर प्रभाव

प्रक्रिया के दौरान जनसांख्यिकी और सामाजिक आर्थिक स्थिती पर प्रस्तावित विस्तारिकरण परियोजना के प्रभावों की पहचान की जा सकती है।

- नैसर्गिक संसाधनों जैसे जल एवं भूमि पर प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं, यदि योग्य उपाय नहीं किए गये तो वायु गुणवत्ता को हानि हो सकती है।
- रोजगार अवसरों में वृद्धि एवं रोजगार के लिए स्थानांतर में कमी।
- सेवा क्षेत्र में वृद्धि।
- संयंत्र में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 55 लोगों को रोजगार दिया जाएगा।
- स्वदेशी उत्पादन एवं सेवाओं के उपभोक्ता, भूमि की किमतों, मकान किराया दरों एवं श्रमिकों की किमतों में वृद्धि।
- अध्ययन क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिवेश में सुधार।
- परिवहन, संचार, स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं में सुधार।
- व्यापार विक्रय वाणिज्य और सेवा क्षेत्र में वृद्धि के कारण रोजगार में वृद्धि।
- सामाजिक आर्थिक परिवेश पर समग्र प्रभाव फायदेमंद होगा।

मेसर्स आर आर इस्पात के प्रबंधन ने कुशल और अर्ध कुशल श्रेणी में भर्ती के लिए स्थानीय लोगों को प्रधानता का प्रस्ताव किया है।

### सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण

प्रस्तावित परियोजना कार्य में निर्माण होने वाले विपरीत प्रभावों को कम करने हेतु एवं स्थानीय लोगों की आशंकाएँ दूर करने हेतु ये आवश्यक है की इस परियोजना के सुचारु रूप से आरंभ होने के लिए प्रभावशाली EMP तैयार की जाए। नीचे निम्न सुझाव दिए गए हैं।

- परियोजना के अधिकारी व्यक्ति स्थानीय लोगों से संप्रेषण प्रस्थापित करें, स्थानिक युवकों को रोजगार के अवसर प्रदान किये जाएँगे।
- परियोजना अधिकारी द्वारा नियमित पर्यावरणीय प्रबंधन पर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।
- रोजगार के अवसर महत्वपूर्ण माँग है, स्थानीय लोगों को उनकी शैक्षणिक योग्यता अनुसार रोजगार प्रदान किये जाएँगे।
- वर्तमान आधारभूत सुविधाओं पर उपायों के प्रयास हेतु शैक्षणिक, आरोग्य, परिवहन इत्यादि जैसी मूलभूत सुविधा के पर्याप्त प्रावधान किये जाएंगे।
- परियोजना अधिकारी द्वारा सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं का दायित्व पूर्ण करने हेतु स्थानीय प्रशासन, ग्रामपंचायत, खंड विकास अधिकारी इत्यादि से समन्वय प्रस्थापित किया जाएगा।

## 5.0 पर्यावरणीय परिक्षण कार्यक्रम

मेसर्स आर.आर. इस्पात के प्रस्तावित विस्तारिकरण परियोजना में प्रतिष्ठापित प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के कार्य मूल्यांकन करने हेतु पर्यावरणीय परिक्षण अत्यावश्यक है। प्रस्तावित विस्तारिकरण परियोजना में रोलिंग मिल 1,00,000 TPA से 2,14,000 TPA का विस्तार किया जाएगा। परिक्षण स्थलों के साथ पर्यावरणीय घटकों के नमुना संकलन एवं विश्लेषण केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल/राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के मार्गदर्शन के अनुसार किया जाएगा।

मेसर्स आर.आर. इस्पात द्वारा प्रस्तावित विस्तारिकरण संयंत्र उसी प्रकार आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण स्तर का मूल्यांकन करने हेतु नियमित आधार पर पर्यावरणीय परीक्षण किया जाएगा इसलिए, अध्ययन क्षेत्र के पर्यावरणीय प्रदूषकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए पर्यावरणीय घटकों का नियमित परिक्षण कार्य आवश्यक है।

### परीक्षण के उद्देश्य

- नये विकास के साथ विशेष रूप से प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन के परिणामों का सत्यापन करना।
- चिंताजनक प्रदूषकों के रूप में जिनकी पहचान की गई है, उन प्राचलों की दिशा में अनुगमन करना।
- नियंत्रण साधनों की क्षमता की जाँच करना एवं आकलन करना

- प्रस्तावित सुविधाओं के कारण जो चिंताजनक नहीं ऐसे प्रभाव आकलन अध्ययन में प्राप्त प्राचलो के अलावा अन्य प्राचल सुनिश्चित करना।
- विकास से संबंधित धारणाओ की जाँच करना एवं आंरभिक आवश्यक उपाय योजनाओ के अनुसार विचलन की जानकारी प्राप्त करना।
- नई परियोजना हेतू भविष्य में किए जाने वाले प्रभाव मुल्यांकन अध्ययन के लिए सूचना प्रस्थापित करना।

नियमित परिक्षण हेतू आवश्यक घटक निचे दिये गए हैं।

- वायु गुणवत्ता
- जल एवं अपशिष्ट जल गुणवत्ता
- ध्वनि स्तर
- मृदा गुणवत्ता
- इकोलॉजी संरक्षण एवं वनीकरण
- साजाजिक-आर्थिक घटक एवं समुदाय विकास

## 6.0 पर्यावरण व्यवस्थापन

मेसर्स आर.आर. इस्पात के प्रबंधक विद्यमान परियोजना में पर्यावरणीय प्रदूषण नियंत्रित एवं कम करने हेतू सभी आवश्यक उपाय कर रहे हैं। और प्रस्थापित विस्तारिकरण परियोजना में यह उसी प्रकार बनाए रखेंगे। पर्यावरणीय प्रबंधन योजना में प्रक्रिया फेज में परियोजना प्रवर्तक द्वारा प्रस्थापित पर्यावरणी प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली के सभी घटकों का समावेश होगा। पर्यावरणीय प्रबंधन योजना, पर्यावरण और वन मंत्रालय (MoEF) नई दिल्ली, केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल मार्गदर्शन के अनुसार परियोजना पश्चात परिक्षण स्तर पश्चात के दौरान लेनेवाले सभी योजनाओं का विस्तृत वर्णन है।

## 7.0 निष्कर्ष

इस प्रकार निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि रोलिंग मिल के प्रस्तावित विस्तारिकरण परियोजना के कारण बफर झोन में बहुत कम प्रभाव पड़ेगा। इस परियोजना का, सामाजिक-आर्थिक विकास, बुनियादी सुविधा जैसे चिकित्सा, शिक्षा इत्यादी का सुदृढीकरण इत्यादि में सहयोग रहेगा। “स्थायी विकास” ध्यान में रखते हुए परियोजना कार्यान्वित रहेंगी।

उसी प्रकार, प्रबंधन ने परिसर के स्थानिक समुदाय के सामाजिक आर्थिक दर्जा की सुधारना करने की दृष्टी से सहकार्य करने का करार किया है।

पर्यावरण परिक्षण पर्याप्त और प्रभावशाली पर्यावरण योजना कार्यान्वयनप्रबंधन के लिए सफल साधन है। यदि आवश्यक हो पर्यावरण परिक्षण परिणामों के आधार पर मध्यम पाठ्यक्रम सुधार के लिए प्रबंधन को मदद करता है। समुदाय पर ऊपर सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, क्षेत्र का संपूर्ण विकास होगा। इसलिए, अनुरोध किया है कि आगामी परियोजना हेतु पर्यावरण मंजूरी स्वीकृती दी जाये।